गतिविधि 10. *नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखें और दोनों में कम से कम पांच अंतर ढूंढे और अंतर वाली जगह पर निशान लगाएँ।*

गतिविधि 11. *यदि आपसे अपनी पसंद की कुछ चीजें चुनने के लिए कहा जाए तो आप क्या चुनेंगे? उसका नाम लिखें और हो सके तो चित्र भी बनाएं।*

गतिविधि 12. *नीचे एक कहानी दी गयी है जिसका नाम है 'नहर पर पुल' कहानी को पढ़ें और प्रश्नो के उत्तर लिखें।*

नहर पर एक पुल था। सुमन पुल पर गई। सुमन गाना गाने लगी। गाना सुन कर सुनीता पुल पर आई। सुमन और सुनीता पुल पर गाते रहे।

- *नहर पर क्या था?*

  उत्तर– ....

- *गाना सुनकर पुल पर कौन आयी?*

  उत्तर– ....

वर्कशीट निर्माणकर्ता –

नीलम बिष्ट, एकता भंडारी, पुष्पा नेगी, सूरज जग्गी, नवीन गोस्वामी, अरुणेश चौहान, प्रमोद चन्द्र , सुखदीप चौहान (अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग)

तकनीकी सहयोग

–रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट

कक्षा– 2, वर्क शीट–7 (साप्ताहिक)

पाठ–7 (मेरी किताब)

बच्चे का नाम........................	स्कूल..
अभिभावक का नाम.................	मोबाइल नम्बर..............................

अभिभावकों के लिए– हम आशा करते हैं कि आप या घर का कोई भी सदस्य इस वर्क शीट के कार्य को पूरा करने में बच्चे की मदद करेंगे।

गतिविधि 1. *बच्चों को दिए गए चित्र को दिखाते हुए निम्नलिखित बातचीत करें। आपको चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है? आपने इतनी सारी किताबें पहले कभी देखी हैं? देखी हैं तो कहाँ? आप अपनी किताबों को कहाँ रखते हो? अपनी किसी पसंदीदा किताब या कहानी का नाम बताओ, और वो आपको क्यूँ पसंद है?*

गतिविधि 2. *अभिभावक पाठ को पढ़ने में बच्चों की मदद करें व धाराप्रवाह के साथ पाठ को पढ़ें।*

माँ ने वीरू को एक संदेश देकर अपनी बहन के पास भेजा। मौसी ने प्यार से वीरू को अंदर बुलाया और बैठक में ले गई। बैठक में कदम रखते ही वीरू अचरज से ठिठक गई। उसने सोचा– बाप रे! इतनी सारी किताबें!

वहाँ नीचे से ऊपर तक किताबों से भरे खानों वाली दो लंबी दीवारें थीं।

वह आँखें फाड़े देखती रही।

अंत में उसने साहस करके पूछा– क्या आपके पास बच्चों के लिए भी किताबें हैं?

मौसी ने कहा– हाँ, यह देखो, यह वाला खाना और यह वाला।

वीरू ने हैरानी से कहा– इतनी ढेर सारी किताबें! मेरे पास तो इतनी किताबें नहीं हैं।

मौसी ने कहा– यदि तुम चाहो तो मैं पढ़ने के लिए तुम्हें कुछ किताबें दे सकती हूँ। तुम्हें किस तरह की किताबें सबसे अधिक पसंद हैं?

वीरू ने धीरे से कहा– मुझे मालूम नहीं।

मौसी ने एक किताब निकाल कर वीरू को पकड़ाई और कहा– तुम यह किताब पढ़कर देखो।

वीरू घबराकर पीछे हटी और बोली– बाप रे! यह तो बहुत मोटी है।

मौसी ने सुझाव दिया– अच्छा, तो फिर शायद यह वाली ठीक रहेगी।

वीरू बोली– यह बहुत बड़ी है, मेरे बस्ते में नहीं आएगी।

मौसी ने एक तीसरी किताब दिखाई– और इसके बारे में क्या खयाल है?

वीरू ने किताब के पन्ने पलटे और यह फ़ैसला किया– इसमें पढ़ने के लिए बहुत कम है, इतनी छोटी-छोटी तस्वीरें! और यह किताब बहुत पतली है। सहेली ने कहा– वीरू, मुझे तो लगता है कि मैं तुम्हारे लिए किताब नहीं चुन सकती। ऐसा करना, अगली बार जब तुम आओ तो अपने साथ एक फ़ुट्टा लेती आना।

वीरू ने पूछा– फ़ुट्टा, क्यों?

मौसी ने हँसकर कहा– तुम्हें जितनी मोटी किताब चाहिए तुम नापकर ले लेना। ठीक है न!

वीरू ने माँ के भेजे हुए कागज़ को मेज़ पर रखा और भाग खड़ी हुई।

गतिविधि 3. *बच्चे पाठ में आए हुए उ (ु) मात्रा, ऊ (ू) मात्रा और औ (ौ) मात्रा वाले शब्दों को ढूँढकर लिखें और इन्हीं मात्राओं से कुछ नए शब्द भी बनाएं।*

उ (ु) मात्रा वाले शब्द ....

ऊ (ू) मात्रा वाले शब्द ....

औ (ौ) मात्रा वाले शब्द ....

गतिविधि 4. *नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं आपको इन शब्दों की मदद से वाक्य बनाने हैं।*

पसंद .....

सन्देश .....

अचरज .....

फैसला .....

गतिविधि 5. *नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जिनके विपरीत अर्थ वाले शब्द उनके सामने ही लिखे गए हैं, आपको शब्दों को उनको उल्टे अर्थ वाले शब्दों से मिलाना है।*

मोटी	बड़ी
बाहर	ऊपर
छोटी	पतली
नीचे	हल्की
भारी	अन्दर

गतिविधि 6. *नीचे कुछ किताबों के मुख्य पेज दिए हैं आप इनमे से किसको पढ़ना पसंद करोगे और क्यों? ये भी लिखें।*

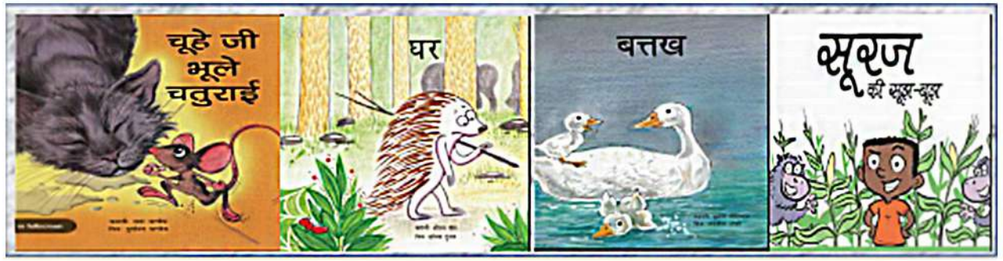

गतिविधि 7. ***'रिश्ते–नाते'*** *नीचे दिए गए खानों में हमारे परिवार के सदस्य छिपे हैं, आप उन पर गोला लगाएं और आगे खाली जगह में लिखें।*

पापा के पापा .....

माँ की बहन .....

पापा की बहन .....

माँ की माँ .....

ना	नी	ग	स
च	क	मौ	सी
बु	आ	त	र
म	ह	दा	दा

गतिविधि 8. *'मेरी किताब है किताब घर में, किताब घर में है मेरी किताब'। इस मज़ेदार वाक्य का बच्चों से बार बार दोहराव करवाएं और ऐसे ही कुछ और मज़ेदार वाक्य बनाएँ।*

गतिविधि 9. *आओ खेलें खेल, बनाएँ शब्दों की रेल।*